thoroughly and if we are convinced about the case, we will certainly appoint a wage board.

सूचना और प्रसारण माध्यम सम्बन्धी समिति

+

*504. श्री प्रकाशवीर शास्त्री :
श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती :
श्री कृ० चं० पन्त :
श्री सिद्धेश्वर प्रसाद :
श्री ओंकार लाल बेरवा :
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री राम सहाय पाण्डेय :
श्री हिम्मतसिंहका :
श्री रा० बरुआ :
श्री ल० ना० भंजदेव :
श्री द्वारका दास मंत्री :
श्री रामेश्वर टांटिया :

क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री 17 नवम्बर, 1964 के तारांकित प्रश्न संख्या 2 के उत्तर के संबंध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सूचना और प्रसारण माध्यम संबंधी समिति के गठन, निर्देश-पदों तथा कार्यालय के बारे में इस बीच अन्तिम निर्णय कर लिया गया है;

(ख) यदि हां, तो उस का अन्तिम निर्णय क्या है; और

(ग) क्या समिति ने अपना कार्य आरम्भ कर दिया है तथा उस की रिपोर्ट कब तक प्रस्तुत किये जाने की सम्भावना है ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्रीमती इन्दिरा गांधी) : (क) जी हां।

(ख) विवरण सरकार के 4 दिसम्बर, 1964 के संकल्प संख्या 1-1-64-सी. बी. आई. एम. में दिया हुआ है यह संकल्प भारत से 4 दिसम्बर, 1964 के गजट में प्रकाशित हुआ था। उस संकल्प की एक प्रति सदन की मेज पर भी रखी जा रही है। [**पुस्तकालय में रखी, गई, देखिए संख्या** एल०टी०-4024/65]

(ग) जी हां, समिति ने पहले आकाशवाणी को लिया है और इस पर अन्तरिम रिपोर्ट का शीघ्र ही आशा है। अन्य विभागों के सम्बन्ध में जैसे जैसे काम पूरा होता जायेगा समिति अपनी रिपोर्ट देती जायेगी।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : मैं जानना चाहता हूं कि अब तक समिति की कितनी बैठकें हुई हैं। जैसा मंत्री महोदय ने बताया, आकाशवाणी के सम्बन्ध में सब से पहले विचार किया जा रहा है, मैं जानाना चाहता हूं कि अब तक की बैठकें होने के बाद कौन सा निर्णय मंत्रालय के सामने आया है, क्या उस की कुछ जानकारी दे सकेंगी ?

श्रीमती इन्दिरा गांधी : कितनी बैठकें हुई हैं उन की संख्या तो मैं नहीं बता सकती, लेकिन अनेक हुई हैं, और जैसा कि मैं ने कहा उसकी रिपोर्ट अभी तक हमें मिली नहीं है।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : मैं जानना चाहता हूं कि इस समिति की जो पूरी रिपोर्ट आएगी क्या उस पर निर्णय लेने से पूर्व उसे संसद के सम्मुख प्रस्तुत किया जाएगा ?

श्रीमती इन्दिरा गांधी : मुझे मालूम नहीं है कि इस के बारे में क्या नियम है, लेकिन मेरा ख्याल है कि आम तौर से तो ऐसी रिपोर्टें संसद के सामने नहीं रखी जातीं।

श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती : क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि इस नए कार्य के आयोजन में जो हिन्दी का कार्यक्रम है उस को कुछ कम करने पर आप विचार कर रही हैं ?

श्रीमती इन्दिरा गांधी : जी नहीं।

Shri Daji: In view of the prevailing discontent about the whole policy, has the Government fixed any time-limit within which the interim report and the final report should be submitted to Government?

Shrimati Indira Gandhi: As I said, we are expecting the interim report very soon.

Shri Daji: "Soon" means what?

Shrimati Indira Gandhi: Actually, six months had been proposed for the final report originally, but when we first met it was felt that the work was of too wide a character, so many media units had to be discussed and six months would not be adequate. Therefore, no time-limit has been fixed.

श्री ओंकार लाल बेरवा : इस में जो सदस्य दिखाए गए हैं उन में से कोई भी न संगीतज्ञ है और न नाटक कलाकार है। इन के चुनाव किस आधार पर किये गये हैं ?

श्रीमती इन्दिरा गांधी : यह संगीत और नाटक खुद करने का प्रश्न नहीं है. . . .

श्री ओंकार लाल बेरवा : उस की जानकारी तो उन को होनी चाहिए।

श्रीमती इन्दिरा गांधी : इन सब स लोगों को उस की जानकारी है। मैं यह सब बातें इस सदन में पहले बार बार कह चुकी हूं कि इन को किस तरह से इस मीडियमा के द्वारा जनता तक पहुंचना है, यह उद्देश्य इस सवाल से है। और ये लोग उन लोगों से जो संगीत नाटक इत्यादि जानते हैं बराबर बातचीत भी कर रहे हैं।

श्री गुलशन : क्या मंत्री महोदय के ध्यान में यह बात आयी है कि जो आकाशवाणी से पंजाबी प्रोग्राम होता है उस से पंजाबी प्यारे असंतुष्ट हैं।

श्रीमती इन्दिरा गांधी : हमारे सामने तो बात नहीं आयी है।

श्री गुलशन : हमारे सामने तो आई है।

Newly Independent African Countries

\+

*505. Shri Himatsingka:
Shri J. B. Singh:
Shrimati Renu Chakravartty:
Shri Prabhat Kar:
Shri Indrajit Gupta:
Shri Rameshwar Tantia:

Will the Minister of **External Affairs** be pleased to state:

(a) whether the question of forging closer ties with newly independent African countries has been considered by Government; and

(b) if so, the concrete steps taken or proposed to be taken in this direction?

The Deputy Minister in the Ministry of External Affairs (Shri Dinesh Singh): (a) and (b). The Government of India are fully cognisant of the need to have close ties with the newly independent countries of Africa. India already has 18 resident diplomatic missions covering 31 countries of Africa.

There are frequent exchanges of visits which help to strengthen the friendly ties and various measures of cooperation including technical and financial assistance bring the countries of Africa and India closer together.

Shri Himatsingka: May I know to which countries financial and technical assistance has been given?

Shri Dinesh Singh: I cannot give the full list now but, for example, we have given technical assistance to a number of countries like Nigeria, Ethopia, Sudan, UAR and others. We are getting up a sugar complex in Uganda.

Shri Rameshwar Tantia: May I know whether any trade delegations were also sent to some of these coun-